CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 08-03-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMFP User: mohdameenullah.khan@timesofind Time: 03-07-2026 20:31 Color:

नवभारत टाइम्स
NBT
Lucknow Times
masala mix
OF INDIA
नवभारत टाइम्स, कानपुर (कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रसारित), रविवार, 8 मार्च 2026
| ADVERTORIAL ENTERTAINMENT PROMOTIONAL FEATURE

पार्टियों में टैलंट की कदर नहीं होती है: सिद्धांत चतुर्वेदी

Page 6

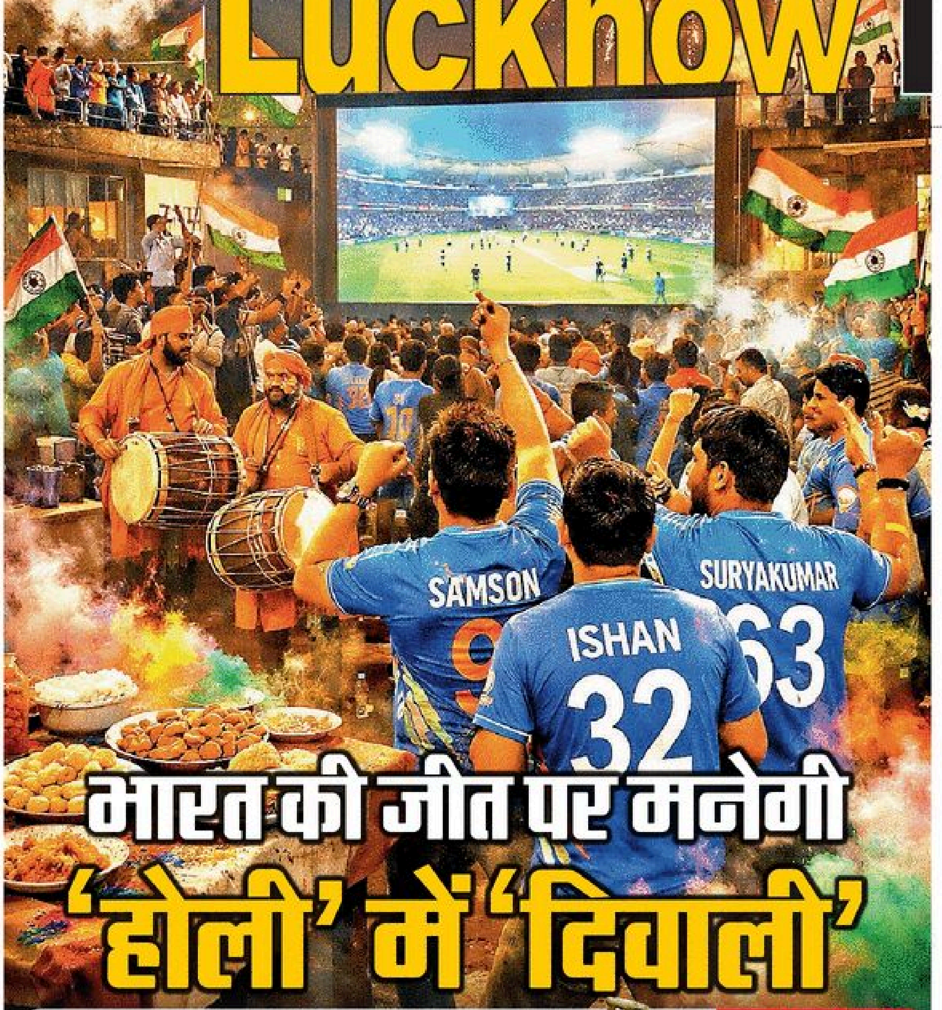

भारत की जीत पर मनेगी 'होली' में 'दिवाली'

नवाबों के शहर ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच आज होने वाले फाइनल के महामुकाबले के लिए होली में दिवाली मनाने की तैयारी कर ली है। बाजारों में जहां संजू सैमसन, ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव की जर्सी की जबरदस्त डिमांड है, वहीं प्रशंसकों ने जीत का जश्न मनाने के लिए ढोल-नगाड़ों से लेकर पटाखों तक का एडवांस स्टॉक जमा कर लिया है। मिठाइयों में गुझिया और क्रिकेट थीम वाले खास केक के साथ इस बार जश्न का अंदाज बिल्कुल जुदा होने वाला है।

जर्सी में हिट संजू सैमसन और ईशान किशन की जोड़ी

टी-शर्ट्स में जिस तरह विराट कोहली और रोहित शर्मा की मांग हमेशा सबसे ज्यादा रहती थी, इस बार खासकर फाइनल मुकाबले के लिए संजू सैमसन और ईशान किशन की जोड़ी हिट हो गई है। वहीं भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के चाहने वाले भी उनकी जर्सी पहनकर मैच देखने को उत्साहित हैं। स्पोर्ट्स सेंटर के हिमांशु ने बताया कि स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा के लिए यह विश्वकप भले बहुत अच्छा नहीं रहा हो, लेकिन फैंस उनकी जर्सी भी जमकर खरीद रहे हैं।

प्रोजेक्टर लगवाएंगे, ऑनलाइन फूड मंगवाएंगे

त्रिवेणीनगर के प्रत्यक्ष सिंह ने फाइनल के लिए फुल तैयारियां कर ली है। उन्होंने बताया कि मैंने परिवार के साथ सेमीफाइनल भी भारतीय टीम की जर्सी में देखा था। फाइनल के लिए घर पर प्रोजेक्टर का इंतजाम किया है। पूरे परिवार के साथ अपनी टीम का सपोर्ट करेंगे। साथ ही हम लोग डिनर और स्नैक्स भी बाहर से ऑर्डर करेंगे। होली में भोंपू लेकर आया था, जब हमारे खिलाड़ी, चौके-छक्के लगाएंगे या विकेट लेंगे तो उसे बजाकर जश्न मनाया जाएगा। जीत के बाद तिरंगा लेकर हजरतगंज और गोमतीनगर भी जाने का प्लान है।

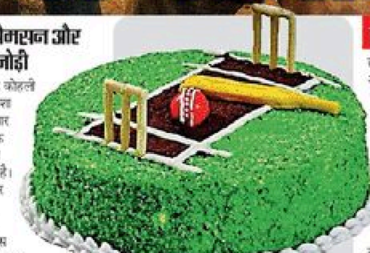

मिठाई, गुझिया और केक से होगा मुंह मीठा

होली में गुझिया खिलाकर मुंह मीठा कराने की परंपरा है। ऐसे में कुछ फैंस का कहना है कि भारतीय टीम की जीत पर वे एक-दूसरे को गुझिया खिलाकर मुंह मीठा करवाएंगे। वहीं, शहर के मिठाई शॉप ओनर्स ने बूंदी के लड्डू भी कुछ ऑर्डर पर तो कुछ अपनी तरफ से तैयार कर लिए हैं। राजाजीपुरम स्थित नरेश बेकरी में फाइनल को लेकर कई तरह के केक तैयार किए जा रहे हैं, जिसमें क्रिकेट की पिच, गेंद-बॉल और 20-20 विश्वकप लिखे केक शामिल हैं।

खरीदने आ रहे पटाखे

त्योहार पर रंगों की बौछार तो हो चुकी है, अब आतिशबाजी की बारी है। भारतीय टीम की जीत के लिए दुआएं करने वाले फैंस होली के तुरंत बाद अब दिवाली मनाने की तैयारी में हैं। कुछ ऐसे भी लोग हैं, जिन्होंने दिवाली में पटाखे जलाने में थोड़ी कंजूसी दिखाई दिखाई थी, ताकि वो विश्वकप में दरियादिली दिखा सकें। वहीं, आजाद फायर वर्क्स के गुलशेर आजाद बताते हैं कि पटाखों का स्टॉक रखा हुआ है। फैंस पटाखों की खरीदारी के लिए हमारे पास आ रहे हैं।

लगेगी बड़ी स्क्रीन

विकासनगर के शिवम गुप्ता बताते हैं कि फाइनल में भारतीय टीम की जीत के लिए हम सब बेताब हैं क्योंकि न्यूजीलैंड से कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है। ऐसे में हम सभी दोस्तों ने तय किया है कि पार्क में प्रोजेक्टर की बड़ी स्क्रीन लगवाई जाए, ताकि सब लोग एकसाथ मैच का लुत्फ उठा सकें। इस दौरान लोग तिरंगा भी हाथ में लेकर बैठेंगे। वहीं, जीत के बाद पटाखे जलाए जाएंगे और मुंह-मीठा करवाकर एक-दूसरे को बधाई दी जाएगी।

CONTINUED ON ▪ 4

अल्लू शिरीष की शादी में जुटे साउथ के सितारे

चिरंजीवी और सूर्या शादी के कार्यक्रम में दिखे साथ

अल्लू अर्जुन के छोटे भाई अल्लू शिरीष और नयनिका रेड्डी शादी के बंधन में बंध गए हैं। उनकी शादी में साउथ फिल्म इंडस्ट्री के तमाम जाने-माने सितारे शामिल हुए। शादी में रामचरण अपनी पत्नी उपासना कामिनेनी के साथ आए थे। इस दौरान दोनों एथनिक लुक कैरी किया हुआ था। वर-वधू को आशीर्वाद देने के लिए चिरंजीवी भी शादी के कार्यक्रम में पहुंचे थे। वह क्रीम कलर का कुर्ता पायजामा पहने हुए थे। चिरंजीवी और सूर्या सोफे पर साथ बैठे दिखाई दिए। वहीं भाई अल्लू अर्जुन अपनी पत्नी स्नेहा रेड्डी के साथ ट्रेडिशनल ड्रेस में दिखाई दिए। इससे पहले अल्लू शिरीष के 'पेल्ली कोडुकु' समारोह में रश्मिका और विजय भी पहुंचे थे।

भाई की शादी में अल्लू अर्जुन और उनकी पत्नी स्नेहा रेड्डी

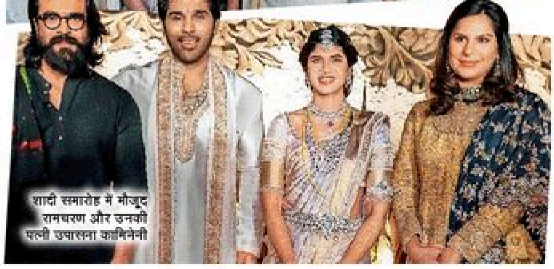

शादी समारोह में मौजूद रामचरण और उनकी पत्नी उपासना कामिनेनी

बादशाह पर विवादित गाने को लेकर पुलिस की सख्ती

बादशाह के नए गाने 'टिटिरी' को लेकर विवाद गहरा गया है। उनके खिलाफ पंचकूला और जींद में FIR दर्ज की गई। हरियाणा पुलिस ने बादशाह के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (LOC) जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बादशाह को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। उधर, 'टिटिरी' गाने को यूट्यूब से हटा दिया गया है।

वहीं इस मामले में बादशाह ने एक विडियो जारी कर कहा, 'मेरा नया गाना टिटिरी रिलीज हुआ है। मैं देख रहा हूं कि गाने के लिरिक्स और विडियो रिप्रजेंटेशन की वजह से कई लोगों को खासकर हरियाणावासियों को ठेस पहुंची है। मैं खुद हरियाणा से हूं। मेरा कभी भी कोई ऐसा इरादा नहीं था कि मैं हरियाणा के किसी बच्चे, महिला के बारे में ऐसी बेहूदगी भरी बात करूं। अगर मेरे उस हिस्से से किसी को ठेस पहुंची है तो मैं तहेदिल से माफी मांगता हूं और उम्मीद करता हूं कि आप हरियाणा का बच्चा समझकर मुझे माफ कर देंगे।'

सिल्वर स्क्रीन पर खतरे में दिख रही है 'वुमन पावर'!

उपमा सिंह

'हम लगभग खत्म होने वाली प्रजाति बनते जा रहे हैं। हम यानी 'अस्सी' जैसी फिल्में, क्योंकि हम कमर्शल सिनेमा के तय फार्मूले में फिट नहीं बैठते।' पिंक, सांड की आंख, शाबाश मिथु, थप्पड़ और अस्सी जैसी नायिका प्रधान फिल्मों का चेहरा रहीं ऐक्ट्रेस तापसी पन्नू का यह बयान पिछले दिनों खासा चर्चा में रहा। तापसी का कहना है कि दर्शकों के सपोर्ट की कमी के चलते ऐसी फिल्में खात्मे के कगार पर हैं। उनकी यह बात बड़े पर्दे पर महिला प्रधान फिल्मों की घटती संख्या से भी साबित होती है। आंकड़े गवाह हैं कि बॉलिवुड के कैलेंडर में फीमेल सेंट्रिक फिल्में लगातार कम हो रही हैं। साल 2025 के 8 नायिका प्रधान फिल्मों इमरजेंसी, मां, तन्वी द ग्रेट, निकिता रॉय, हीर एक्सप्रेस, एक चतुर नार, सिंगल सलमा, हक के मुकाबले इस साल इस जॉनर की सिर्फ चार फिल्में मर्दानी 3, अस्सी, अल्फा और शक्ति शालिनी ही हैं।

International WOMEN'S DAY

नायिका प्रधान फिल्मों की राह मुश्किल

एक लंबी लड़ाई के बाद ऐक्ट्रेसेस ने मैरी कॉम, पीकू, कहानी, द डर्टी पिक्चर, तनु वेड्स मनु 2, क्वीन, राजी, पद्मावत जैसी कामयाब फिल्मों से इस नायक प्रधान बॉलिवुड में नायिका प्रधान फिल्मों की राह मजबूत की थी। लेकिन अब कहीं न कहीं फिर से फीमेल सेंट्रिक फिल्मों की तादाद कम होती दिख रही है। द डर्टी पिक्चर, द क्रू, वेक अप सिड जैसी फीमेल सेंट्रिक फिल्में बनाने वाली मशहूर निर्माता एकता कपूर कहती हैं, 'कुछ वक्त से बॉलिवुड में महिलाओं के बारे में फिल्में बनाना बहुत ज्यादा मुश्किल होता जा रहा है। आज मर्दानगी वाली फिल्में बनाना आसान है, जबकि फेमिनिज्म एक टैबू है, जो डरावनी बात है।' वहीं तापसी के मुताबिक, 'एक महिला कलाकार के लिए फिल्म को लीड करना आज भी मुश्किल है, चाहे आपने पहले कितनी ही सफल फिल्में क्यों न दी हों।' जाने-माने ट्रेड विशेषज्ञ अतुल मोहन इन फिल्मों के घटने की वजह इनके बॉक्स ऑफिस रिजल्ट को मानते हैं। उनका कहना है, 'इधर कुछ ही फीमेल केंद्रित फिल्में अच्छी चल पाई हैं। हालांकि, इसकी बड़ी वजह ये है कि इंडस्ट्री में औरतों के मुद्दों को संवेदनशीलता को समझने वाले राइटर्स-मेकर्स ही बहुत कम हैं। ऐसे में, आप बड़े-बड़े नाम भले ले लो लेकिन अच्छे से एग्जीक्यूट नहीं करोगे तो फिल्म कैसे चलेगी! फिर जब रिजल्ट अच्छा नहीं मिलता तो आजकल सारे फैसले एक्सेल शीट से होते हैं कि कितनी फीमेल सेंट्रिक फिल्में चलीं, अच्छा ये नहीं चली, ये नहीं चली तो नहीं बनाते हैं। कोई सही वजह ढूंढने की कोशिश नहीं करता।'

दर्शक भी नहीं देते हैं महिला केंद्रित फिल्मों का साथ

देखा जाए तो दर्शक भी नायिकाओं की फिल्मों के प्रति ज्यादा उत्साह नहीं दिखाते। अब अस्सी को ही ले लीजिए, समीक्षाओं में मस्ट वॉच कही जाने के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर फिल्म सफल नहीं रही। बीते साल आई फीमेल सेंट्रिक फिल्मों को भी दर्शक नसीब नहीं हुए। किरण राव की ऑस्कर तक गई लापता लेडीज भी तमाम वाहवाही के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर धमाल नहीं मचा पाई थी। इस कड़ी में थलाइवी, तेजस, धाकड़, सलाम वेंकी, सुखी, धक धक जैसी फीमेल सेंट्रिक फिल्में भी हैं, जो थिएटर में दर्शक नहीं खींच पाईं। इसमें अभी रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 ही अपवाद रही, जिसने 51.47 करोड़ का नेट कलेक्शन करके कामयाबी हासिल की।

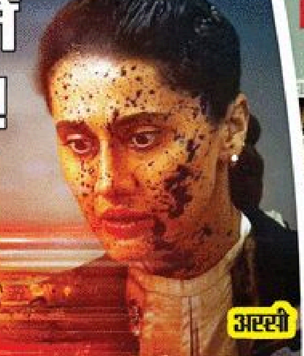

अस्सी

2025 में फीमेल सेंट्रिक फिल्में

- इमरजेंसी
- मां
- तन्वी द ग्रेट
- निकिता रॉय
- हीर एक्सप्रेस
- एक चतुर नार
- सिंगल सलमा
- हक

2026 में फीमेल सेंट्रिक फिल्में

- मर्दानी 3
- अस्सी
- अल्फा
- शक्ति शालिनी

अल्फा

> आजकल सारे फैसले एक्सेल शीट से होते हैं कि कितनी फीमेल सेंट्रिक फिल्में चलीं। अच्छा ये नहीं चली, ये नहीं चली तो नहीं बनाते हैं। - अतुल मोहन, ट्रेड विशेषज्ञ

मर्दानी 3

> फीमेल सेंट्रिक फिल्मों के लिए पहली लाइन ही बोली जाती है कि औरतों की कहानी है न, तो इतना बजट नहीं होगा। जब हीरो वाली फिल्म आती है तो लोग पहले से तय कर लेते हैं कि उन्हें फलां फिल्म देखनी है, लेकिन एक हीरोइन की लीड वाली फिल्म आती है तो लोग रिव्यू का इंतजार करते हैं। - तापसी पन्नू

CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 08-03-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMPG2 User: cci Time: 03-07-2026 20:16 Color:

होली के रंग

रंग और अपनों का संग होली की खूबसूरती है। इस बार भी 'होली खेले रघुवीरा...', 'रंग बरसे...' जैसे सदाबहार गानों पर हमेशा की तरह जमकर ठुमके लगे। लखनऊवालों की मस्ती को डबल बनाने के लिए दिल्ली, मुंबई तक से डीजे बुलाए गए। कोई दोस्तों के साथ होली पार्टी में गया तो किसी ने हाउस पार्टी में करीबियों को इनवाइट कर लिया। कहीं ढोल, मंजीरे के साथ होली गीत गाए। गुझिया, पापड़ खाने के साथ सोशल मीडिया पर भी अपनेपन की होली वाली फोटोज लोगों ने शेयर की। हमने भी आपसे रंगों के त्योहार पर फोटोज मंगवाई थी, जिसमें से कुछ को हम अपने आज के अंक में प्रकाशित कर रहे हैं।

पूजा अग्रवाल

पीयूष पवन श्रीवास्तव

अर्चना सक्सेना

विनीता सिंह

शिवा गुप्ता

अजय कुमार

डॉ सुधा द्विवेदी

दिलीप श्रीवास्तव

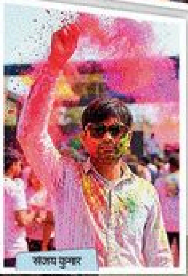
संजय कुमार

राज कमल

प्रमोद

सुमन

छोटू

दिनेश

पंकज-सुधा

नेहा सेठीवाल

बुलबुल

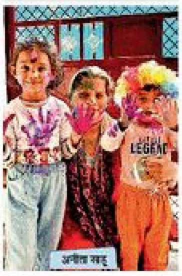
अनीता साहू

सौरभ गुप्ता

काजल

WOMEN'S DAY SPECIAL
TIMES interact

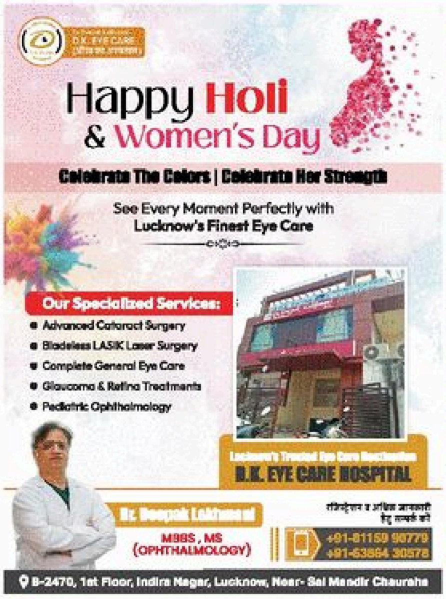

GALLERIA
TIMES interact

EDUCATION FORUM
TIMES interact

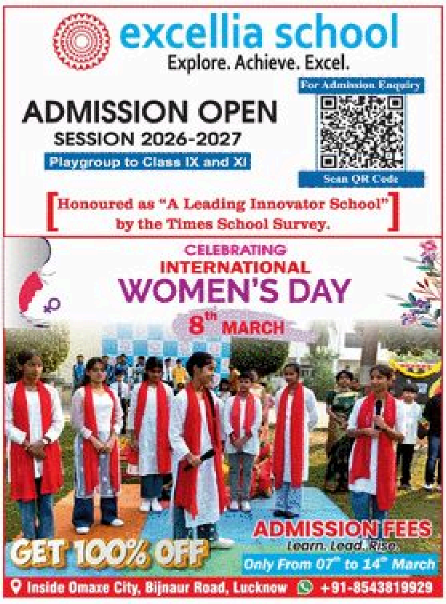

HEALTH & WELLNESS
TIMES interact

CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 08-03-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMPG3 User: abhishek.singh2@timesofindia.c Time: 03-07-2026 16:25 Color:

THE FUTURE IS SHE SEASON 5

THE FUTURE IS SHE

INTERNATIONAL WOMEN'S DAY SPECIAL

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

महिलाएं बन रहीं प्रगति का आधार

Nishta.Kochar@timesofindia.com

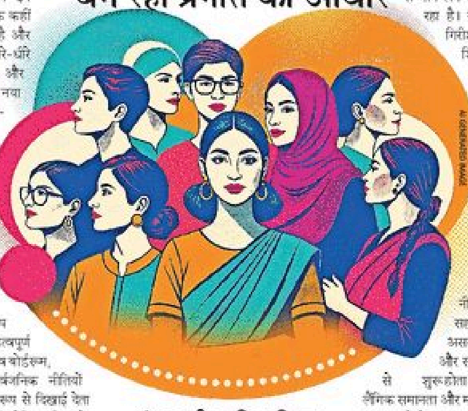

हर साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस फूलों, शुभकामनाओं और कार्यक्रमों के साथ आता है। लेकिन इन औपचारिकताओं के पीछे एक कहीं अधिक सशक्त कहानी भी है और उस कहानी में महिलाएं धीरे-धीरे देश के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को नया आकार दे रही हैं। अलग-अलग पेशों, समुदायों और शहरों में महिलाएं केवल समानता की मांग नहीं कर रहीं, बल्कि यह भी तय कर रही हैं कि आधुनिक दौर में सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ क्या है।

आज महिलाएं उद्यमी, वैज्ञानिक, शिक्षक, प्रशासक, कलाकार और परिवर्तन की वाहक के रूप में देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उनका प्रभाव बोर्डरूम, क्लासेज, स्टार्ट-अप्स, सार्वजनिक नीतियों और जमीनी पहलों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। चुनौतियां अब भी मौजूद हैं, लेकिन जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी अवसरों और सोच दोनों में बदलाव का संकेत देती है।

सीमाओं के परे जाकर बनाया मुकाम

हाल के वर्षों में महिलाएं उन क्षेत्रों में भी कदम रख रही हैं, जिन्हें कभी परंपरागत रूप से पुरुषों का क्षेत्र माना जाता था। तकनीक और वित्त से लेकर खेल और प्रशासन तक, उनकी उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। युवा महिलाएं बड़ी संख्या में उच्च शिक्षा हासिल कर रही हैं, स्टार्ट-अप शुरू कर रही हैं और ऐसे इनोवेशन का नेतृत्व कर रही हैं, जो पारंपरिक सीमाओं को चुनौती देते हैं।

लीडरशिप पोजिशन पर उनकी बढ़ती भागीदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। संस्थाएं अब समझने लगी हैं कि लीडरशिप में विविधता बेहतर निर्णय लेने और एक बेहतरीन वर्कप्लेस बनाने में मदद करती है। उद्योग विशेषज्ञ रेखा सिंह कहती हैं, "आज महिलाएं अवसरों का इंतजार नहीं कर रहीं, बल्कि उन्हें खुद बना रही हैं। चाहे व्यापार हो, विज्ञान या सार्वजनिक सेवा, हर जगह वे दृढ़ता, रचनात्मकता और सहयोग के जरिए नेतृत्व की नई परिभाषा गढ़ रही हैं।"

शिक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता की ताकत

महिलाओं के सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका बेहद अहम है। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच ने महिलाओं को करियर बनाने, सूचित निर्णय लेने और अपने परिवार की आर्थिक स्थिरता में योगदान देने का अवसर दिया है।

> **अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर चर्चा अब सिर्फ उत्सव तक सीमित नहीं रही, बल्कि सार्थक बदलाव की दिशा में आगे बढ़ रही है। महिलाएं बोर्डरूम, क्लासेज और समाज के हर क्षेत्र में सफलता की नई परिभाषा गढ़ रही हैं। उनका बढ़ता प्रभाव एक अधिक समावेशी और प्रगतिशील भविष्य को नया आकार दे रहा है।**

आर्थिक स्वतंत्रता महिलाओं के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला रही है। जो महिलाएं अपनी आय स्वयं अर्जित और प्रबंधित करती हैं, उनमें आत्मविश्वास और स्वायत्तता अधिक दिखाई देती है। छोटे व्यवसाय चलाने वाली उद्यमियों और कारीगरों से लेकर कॉरपोरेट पेशेवरों और फ्रीलांसरों तक, विभिन्न क्षेत्रों में महिलाएं आर्थिक विकास में योगदान दे रही हैं और नई पीढ़ी को प्रेरित कर रही हैं।

विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि वित्तीय साक्षरता बेहद जरूरी है। महिलाओं को निवेश, उद्यमिता और दीर्घकालिक आर्थिक योजना में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। सामाजिक विकास विशेषज्ञ गिरीश झा कहते हैं, "जब महिलाएं शिक्षित और आर्थिक रूप से सशक्त होती हैं, तो इसका प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। परिवार मजबूत होते हैं, समुदाय आगे बढ़ते हैं और समाज अधिक समानतापूर्ण बनता है।"

घर और समाज में बदलती सोच

नीतिगत सुधार और संस्थागत सहयोग महत्वपूर्ण हैं, लेकिन असली बदलाव अक्सर परिवारों और समुदायों की सोच में परिवर्तन से शुरू होता है। आज साझा जिम्मेदारियों, लैंगिक समानता और महिलाओं की आकांक्षाओं के सम्मान को लेकर बातचीत सामान्य होती जा रही है।

नई पीढ़ी ऐसे माहौल में बड़ी हो रही है, जहां बेटियों को करियर बनाने, अपनी रुचियों को तलाशने और बिना सीमाओं के सपने देखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पिता द्वारा बेटियों के सपनों का समर्थन, जीवनसाथियों द्वारा घरेलू जिम्मेदारियों का साझा करना और वर्कप्लेस पर लैंगिक भेदभाव को दूर करना जैसे सकारात्मक बदलाव धीरे-धीरे सामाजिक मानदंडों को नया रूप दे रहे हैं।

सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने भी महिलाओं की आवाज को व्यापक मंच दिया है, जिससे वे अपने अनुभव साझा कर पा रही हैं, विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता फैला रही हैं और देशभर में समर्थक नेटवर्क से जुड़ रही हैं।

स्वास्थ्य, आत्मदेखभाल और संतुलित सफलता

महिला सशक्तिकरण की आधुनिक चर्चा में अब एक और महत्वपूर्ण पहलू उभरकर सामने आया है—स्वास्थ्य और आत्मदेखभाल। जब महिलाएं कई भूमिकाओं को एक साथ निभाती हैं, तो मानसिक स्वास्थ्य, आत्मदेखभाल और कार्य-जीवन संतुलन जैसे मुद्दों पर बातचीत भी बढ़ रही है। सही मायने में यह उनके जीवन का मजबूत पक्ष है।

विशेषज्ञ महिलाओं को करियर के साथ-साथ अपने शारीरिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और व्यक्तिगत विकास को भी प्राथमिकता देने की सलाह दे रहे हैं। फिटनेस, माइंडफुलनेस और सहयोगी समुदाय अब संतुलित जीवन के जरूरी तत्व माने जा रहे हैं।

LUMINA TERRA SCHOOL OF NATIONS

LUMINA TERRA
SCHOOL OF NATIONS

EXCLUSIVE. INNOVATIVE. SUSTAINABLE.

FIRST GREEN SCHOOL OF LUCKNOW

Step into something extraordinary for ages 2–12.

ROOTS Curriculum: Resilience, Ownership, Openness, Teamwork, Stewardship

Assessments: Cambridge Checkpoint / ROOTS / Other Benchmarks

Upcoming: K-12 School (CBSE / Cambridge / IB)

A rounded education that nurtures both inner and outer powers, in unique, circular spaces crafted by global experts.

Opposite Palassio Mall
Next to Omaxe Palace
luminaterra.org
740 840 5000

UP's 1st Premier Preschool Chain

The Pride and Joy™
PRESCHOOL

REGISTRATION FORMS ARE AVAILABLE

For The Academic Year **2026-27**
till **20th Mar 2026**

A PRESCHOOL WHERE CURIOSITY MEETS CREATIVITY

Saluting Every Woman Who Builds Bright Beginnings
Happy Women's Day

Aliganj 9198780750	Aminabad (Latouche Road) 9839914747	Ashiyana 8960142121	Gayatripuram Kursi Road 7052088888	Gomtinagar (Vishal Khand) 9651098889
Indiranagar 9120555899	Jankipuram Extension 7510002888	Krishna Nagar (Kanpur Road) 9935443022	Munshipulia 7388183330	Vrindavan Yojana 9208304411

For Franchise Enquiry Contact: 9565651166

CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 08-03-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMPG4 User: mohdameenullah.khan@timesofind Time: 03-07-2026 20:41 Color:

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
आज सप्तम प्रमुख केंद्र अर्थात जाया भाव में चंद्रमा का प्रबल योग बन रहा है। शाम 5 बजे तक कोई खास डील फाइनल हो सकती है। भौतिक विकास के अच्छे योग बन रहे हैं। शाम 7 बजकर 30 मिनट पर चंद्रमा तुला राशि में प्रवेश करेगा। इसके प्रभाव से आप किसी मांगलिक समारोह में शामिल हो सकते हैं।

TAURUS 20 Apr - 20 May
आज आपका ध्यान नई योजनाओं और नए कामों की ओर रहेगा। किसी देवस्थान की यात्रा करने से मन को शांति और सुकून मिलेगा। कानूनी मामलों में सफलता मिलने की संभावना है। दिन के उत्तरार्ध में कुछ उलझनों के बावजूद आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार में हर्ष संकेत मिलेंगे।

GEMINI 21 May - 21 Jun
आज का दिन काफी रचनात्मक रहेगा। किसी क्रिएटिव या कलात्मक काम को पूरा करने में आप व्यस्त रह सकते हैं। जिस काम को आप सबसे अधिक पसंद करते हैं, आज वही करने का अवसर मिलेगा। इससे आपको मानसिक शांति और सुकून मिलेगा। नई योजनाएं भी आपके मन में आ सकती हैं।

CANCER 22 Jun - 22 Jul
आज का दिन काफी सृजनात्मक रहेगा। जो भी कार्य आप पूरे मन और लगन से करेंगे, उसका परिणाम तुरंत देखने को मिल सकता है। लंबे समय से अधूरे पड़े काम भी आज पूरे हो सकते हैं। कार्यस्थल पर आपके विचारों के अनुसार माहौल बनने की संभावना है और सहकर्मी भी आपका सहयोग करेंगे।

LEO 23 July - 22 Aug
आज का दिन आपकी व्यस्त रहेगा। हालांकि धर्म-अध्यात्म और पढ़ाई-लिखाई के लिए थोड़ा समय निकालना आपके लिए लाभकारी रहेगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके कामों में कुछ रुकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए धैर्य और समझदारी से काम लें। रात का समय शुभ कार्य में व्यतीत होगा।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
आज बातचीत और व्यवहार में संयम और सावधानी बरतना आवश्यक है। आसपास के लोगों के साथ किसी प्रकार का टकराव न हो, इसका विशेष ध्यान रखें। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्य की चर्चा हो सकती है। भाग्य पर भरोसा रखें और आत्मविश्वास के साथ अपने कार्यों को पूरा करें।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आज का दिन आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है। काम और व्यवहार से जुड़े कई पुराने विवाद सुलझ सकते हैं। किसी नए प्रोजेक्ट या योजना पर काम शुरू होने की संभावना है। जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों में परिवार या आसपास के कुछ लोग परेशानी खड़ी करने की कोशिश कर सकते हैं।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
आर्थिक दृष्टि से आज का दिन काफी मजबूत रहेगा। दिनभर लाभ के कई अवसर मिल सकते हैं, इसलिए सक्रिय और कार्यशील बने रहें। परिवार में सुख, शांति और विश्वास का वातावरण बना रहेगा। नौकरी या व्यापार में यदि आप कुछ नया प्रयोग कर सकें तो भविष्य में इसका अच्छा लाभ मिल सकता है।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
आज का दिन सावधानी और सतर्कता के साथ काम करने का है। व्यापार के मामले में थोड़ा जोखिम उठाने पर बड़ा लाभ मिल सकता है। किसी करीबी व्यक्ति की मदद के लिए आपको धन की व्यवस्था करनी पड़ सकती है। आपके आसपास नए अवसर मौजूद हैं, उन्हें पहचानकर सही निर्णय लें।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आज का दिन सामान्य रहने वाला है। साझेदारी में किया गया व्यापार अच्छा लाभ दे सकता है। घरेलू और रोजमर्रा के कामों को पूरा करने का आज अच्छा अवसर मिलेगा। ईमानदारी और नियमों का पालन करना आपके लिए लाभकारी रहेगा। एक साथ कई कार्य हाथ में आने से थोड़ी व्यस्तता बढ़ सकती है।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
आज आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। मौसम में बदलाव के कारण सर्दी-खांसी या अन्य मौसमजन्य समस्याएं हो सकती हैं। खान-पान में लापरवाही बिलकुल न करें। व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहेगा और लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
आज का दिन लाभदायक रहेगा। व्यापार में यदि आप थोड़ा जोखिम उठाते हैं तो उसका परिणाम आपके पक्ष में जा सकता है। किसी भी परेशानी को आप धैर्य और अपने मधुर व्यवहार से सुलझाने में सफल रहेंगे। अपनी बुद्धि और समझदारी का उपयोग करके आप यह सब कुछ हासिल कर सकते हैं।

'सेमीफाइनल के दूसरे दिन मंगवा लिए थे पटाखे'

CONTINUED FROM ▶ 1

जानकीपुरम के अभिषेक श्रीवास्तव बिजनेसमैन हैं। उन्होंने बताया कि फाइनल के लिए हमने सेमीफाइनल के दूसरे दिन ही पटाखे मंगवा लिए थे। दोस्तों के साथ मैच एंजॉय करने वाले हैं। जीत के बाद अनार और चटाई जलाकर जश्न मनाएंगे। पिछले टी-20 वर्ल्डकप में भी जब भारत जीता था तो हमने चटाई जलाई थी। मैच के दौरान स्नैक्स बाहर से ऑर्डर कर लेंगे और जीत के बाद बाहर डिनर के लिए जाएंगे। इसके अलावा हमने एक बड़ा तिरंगा भी मंगवा लिया है, ताकि हम जीत का फिर से जश्न मना सकें।

ढोल हो गए बुक

भारतीय टीम की जीत पर सिर्फ आतिशबाजी और फिल्मी गाने ही नहीं बजेंगे। दरअसल, जश्न को दोगुना करने और सबके थिरकने के लिए लोग ढोल का भी इंतजाम कर रहे हैं। आलमबाग स्थित सुपरस्टार ढोल के अमान ने बताया कि सेमीफाइनल में जीत के बाद ही लोग ढोल बुक करने के लिए आने लगे थे। अब तक हमारे पास 20 से अधिक लोगों ने बुकिंग कर ली है। दो ढोल वाले हम लोग तीन हजार रुपये में बेच रहे हैं।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

इस वर्ष के स्वामी सूर्य और मंगल ग्रह हैं, जो आपको ऊर्जा, साहस और नेतृत्व क्षमता प्रदान करेंगे। राशि से दूसरे और बारहवें भाव में सूर्य, बुध और शुक्र का चतुर्ग्रही योग बनने से मार्च के शेष दिनों में आपको कुछ बड़े निर्णय लेने पड़ सकते हैं। इस दौरान जोखिम उठाने की परिस्थितियां बनेंगी, इसलिए धैर्य और समझदारी से काम लें। अप्रैल से लेकर मई माह के अंत तक किसी राजकीय या कानूनी विवाद का समाधान मिलने की संभावना है। जून माह के मध्य तक कई प्रकार की समस्याएं सामने आकर समाप्त हो सकती हैं, जिससे आपको राहत मिलेगी। जुलाई से लेकर अगस्त के बीच व्यापार या व्यवसाय में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। अक्टूबर और नवंबर तक की बात करें तो मित्रों के सहयोग से कामकाज में आई निराशा दूर होगी। दिसंबर और जनवरी 2027 में किसी पर्यटन या धार्मिक यात्रा का आनंद लेने का अवसर मिल सकता है। फरवरी माह के मध्य तक किसी नए कार्यक्षेत्र या योजना की शुरुआत के संकेत मिलेंगे। महिलाओं के लिए यह वर्ष जीवन स्तर को बेहतर बनाने वाला सिद्ध हो सकता है। परिवार के सदस्यों की आय के नए स्रोत भी बनेंगे। सिंही योग की शांति के लिए श्री मृत संजीवनी मंत्र का सवा लाख जप कराना शुभ रहेगा।

-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

कल का पंचांग (सोमवार, 9 मार्च 2026)

राष्ट्रीय मिति फाल्गुन 18, शक संवत 1947, चैत्र कृष्ण, षष्ठी, सोमवार, विक्रम संवत 2082। सौर फाल्गुन मास प्रविष्टे 26, रमजान 19, हिजरी 1447 (मुस्लिम), तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 9 मार्च 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, बसंत ऋतु। राहु काल सुबह 7 बजकर 30 मिनट से 9 बजे तक। षष्ठी तिथि रात 11 बजकर 28 मिनट तक के बाद सप्तमी तिथि का आरंभ। विशाखा नक्षत्र शाम 4 बजकर 12 मिनट तक के बाद अनुराधा नक्षत्र का आरंभ। व्याघात योग सुबह 7 बजकर 36 मिनट तक के बाद हर्षण योग का आरंभ। गर करण पूर्वाह्न 10 बजकर 20 मिनट तक के बाद विष्टि करण का आरंभ। चंद्रमा सुबह 9 बजकर 30 मिनट तक तुला के बाद वृश्चिक राशि पर संचार करेगा। श्रीरंग-पंचमी, मेला गुरु रामराय (देहरादून-उत्तराखंड)।

सुडोकू

	4			1	6			8
		2			7			
		3			8		6	2
						6		
4	2						5	3
		8						
1	8		6			5		
			1			7		
9			5	4			8	

TELEVISION

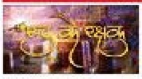

big magic

09:00 बबलू डबलू	13:30 भ से भडे
10:00 बदतुथ बुढ़ापक	14:00 चक्रधारी अजेय कृष्णा
11:00 रुद्र के रक्षक	15:00 लिटिल कृष्णा
12:00 चक्रधारी अजेय कृष्णा	17:00 बबलू डबलू
12:30 हम पांच	18:00 चक्रधारी अजेय कृष्णा
13:00 रुद्र के रक्षक	

घूमते-फिरते हुए भी रहेंगे आप हेल्दी और फिट

हर किसी को घूमने जाना पसंद होता है, लेकिन इसी दौरान हमारा खानपान सबसे ज्यादा बिगड़ता है। लंबी यात्रा, बाहर का खाना और व्यस्त शेड्यूल की वजह से लोग अक्सर अनहेल्दी चीजें खा लेते हैं। हालांकि अगर थोड़ी-सी प्लानिंग पहले से कर ली जाए और कुछ आसान आदतें अपना ली जाएं, तो ट्रिप का पूरा मजा लेते हुए भी आप अपनी सेहत और वजन दोनों का ख्याल रख सकते हैं।

रखें हेल्दी स्नैक्स
ट्रिप में फास्ट फूड से बचने के लिए बैग में प्रोटीन बार, नट्स, ड्राई फ्रूट्स, होल-ग्रेन क्रैकर्स या ताजे फल रखें।

खाने में शामिल करें लीन प्रोटीन: जब भी बाहर खाना खाएं, लीन प्रोटीन जैसे चिकन, मछली, अंडे या टोफू के साथ हरी सब्जियां, नट्स, होल ग्रेन्स और फल शामिल करें। ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और लंबे समय तक पेट भरा रखते हैं।

मात्रा का रखें ध्यान: यात्रा के दौरान पोर्शन कंट्रोल यानी खाने की मात्रा पर ध्यान देना जरूरी है। कोशिश करें कि प्लेट का आधा हिस्सा सब्जियों से भरा हो, एक चौथाई हिस्सा प्रोटीन और बाकी हिस्सा होल ग्रेन के लिए रखें। छुट्टियों में लोकल डिशेज एंजॉय करना भी अनुभव का हिस्सा होता है, बस खाने में बैलेंस बनाए रखें और मात्रा सीमित रखें।

पर्याप्त पानी पीएं: यात्रा के दौरान शरीर को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है। पर्याप्त पानी पीने से थकान भी कम होती है और शरीर एक्टिव बना रहता है।

एक्टिव रहने की कोशिश करें: नई जगहों पर घूमना, पैदल चलना, सीढ़ियां लेना या हल्की एक्सरसाइज करना न सिर्फ यात्रा को और मजेदार बनाता है, बल्कि वजन भी नियंत्रण में रहता है। इसलिए एक्टिव रहें।

THE FUTURE IS SHE SEASON 5

THE FUTURE IS SHE

INTERNATIONAL WOMEN'S DAY SPECIAL

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

व्यापार से अधिक उनकी उपलब्धियों का है यह उत्सव है

महिला दिवस के अवसर पर शहर खास रंग में नजर आ रहा है। क्यूरेटेड मेन्यू, विशेष ऑफर और सोच-समझकर तैयार किए गए अनुभवों के साथ रोजमर्रा की जगहें भी उपलब्धियों, सम्मान और सामूहिक प्रगति के उत्सव में बदल गई हैं।

AI GENERATED IMAGE

Ananya Nair
Response.UP@timesofindia.com

महिला दिवस की शुरुआत के साथ ही कैफे और रेस्टोरेंट केवल सामान्य ग्राहकों की भीड़ के लिए नहीं, बल्कि खास अनुभव देने के लिए तैयार हो चुके हैं। इस अवसर पर विशेष मेन्यू तैयार किए गए हैं, जिनमें मौसमी पसंदीदा व्यंजन और सिग्नेचर डिशेज शामिल हैं, ताकि इस दिन को विशेष लोगों के लिए थोड़ा अलग और यादगार बनाया जा सके। कई कैफे ग्राहकों के लिए छोटे-छोटे सरप्राइज या कॉम्प्लिमेंट्री ऑफर भी रखते हैं, जिससे साधारण मुलाकात भी एक छोटे उत्सव में बदल जाती है। कुछ जगहों पर लाइव म्यूजिक, ओपन माइक और इंटरएक्टिव गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, जिससे लोग बातचीत कर सकें और एक-दूसरे के साथ जुड़ाव महसूस कर सकें। दोस्त, सहकर्मी और परिवार के लोग अक्सर ऐसी स्थानों को साथ मिलकर इस दिन को मनाने के लिए चुनते हैं।

एक कैफे मैनेजर देव सिंह कहते हैं, "यह सिर्फ खाना परोसने की बात नहीं है। हम ऐसा माहौल बनाने की कोशिश करते हैं, जहां लोग खुद को खास और सम्मानित महसूस करें। इसी सोच के साथ हम इस दिन की हर छोटी-छोटी तैयारी करते हैं।"

लिमिटेड एडिशन मेन्यू

नियमित मेन्यू के अलावा कई रेस्टोरेंट इस दिन के लिए सीमित समय के लिए खास व्यंजन भी पेश करते हैं। डेजर्ट काउंटर पर भी खास आकर्षण देखने को मिलता है, जहां हाथ से तैयार की गई पेस्ट्री, आर्टिसनल मिठाइयां और स्पेशल ड्रिंक्स लोगों का ध्यान खींचती हैं।

ये आइटम सिर्फ कुछ समय के लिए उपलब्ध होते हैं, जिससे इनमें एक खास एक्सक्लूसिविटी का एहसास जुड़ जाता है। कुछ रेस्टोरेंट छोटे समूहों के लिए विशेष मील कॉम्बो भी पेश करते हैं, जिससे दोस्तों या परिवार के साथ मिलकर जश्न मनाना आसान हो जाता है।

एक खास उद्देश्य के साथ खरीदारी का अनोखा अनुभव

महिला दिवस के मौके पर शॉपिंग मॉल और बाजारों का माहौल भी बदला हुआ नजर आता है। दुकानों की सजावट नई की जाती है, विंडो डिस्प्ले बदले जाते हैं और जगह-जगह खास ऑफर्स के बोर्ड लगाए जाते हैं। ब्रांड्स इस अवसर पर विशेष छूट के साथ चुनी हुई कलेक्शन पेश करते हैं, जो उपहार देने के साथ-साथ खुद के लिए खरीदारी को भी प्रोत्साहित करते हैं। कई स्टोर्स महिलाओं द्वारा संचालित ब्रांड्स के उत्पादों को खास तौर पर प्रदर्शित करते हैं या ऐसे आइटम सामने लाते हैं जो आत्मनिर्भरता और विकास के विचार से जुड़े होते हैं। स्टोर ओनर अंकित जायसवाल कहते हैं, "महिला दिवस सिर्फ ऑफर्स तक सीमित नहीं है। यह हमारे ग्राहकों को सम्मान देने और ऐसी कलेक्शन पेश करने का मौका है, जो उनके बदलते जीवन और आकांक्षाओं को दर्शाती है।"

दुकानों के भीतर संवाद की नई पहल

हालांकि छूट ग्राहकों को आकर्षित करती है, लेकिन कई ब्रांड अपने स्टोर्स के माहौल को भी नए तरीके से पेश कर रहे हैं। दुकानों के अंदर आत्मविश्वास, महत्वाकांक्षा और सामूहिक प्रगति से जुड़े संदेश लगाए जाते हैं।

इस अवधि में लॉयल्टी प्रोग्राम्स के तहत अक्सर विशेष रिवॉर्ड्स भी दिए जाते हैं, जिससे ग्राहकों की संख्या बढ़ती है और वे दोबारा स्टोर पर आने के लिए प्रेरित होते हैं। रिटेलर्स के लिए यह उत्सव का मौका होता है, तो दूसरी ओर बिक्री के लिहाज से रणनीतिक रूप से भी अहम होता है। कई ब्रांड्स विशेष छूट, बंडल ऑफर्स और खास तौर पर तैयार की गई कलेक्शन भी पेश करते हैं।

PIC: ISTOCK

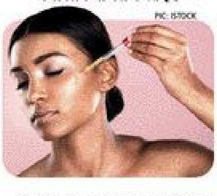

मैनेक्विन्स को भी अलग-अलग पेशे और जीवनशैली के रूप में स्टाइल किया जाता है, जिससे पारंपरिक छवि से आगे बढ़कर वास्तविक जीवन की विविधता को दिखाया जा सके। कुछ जगहों पर ऐसे इंटरएक्टिव बोर्ड लगाए जाते हैं, जहां लोग अपने विचार या सराहना के संदेश लिख सकते हैं। कई स्टोर्स स्थानीय कलाकारों या क्रिएटर्स के साथ मिलकर छोटे-छोटे टॉक सेशन या स्टाइलिंग वर्कशॉप भी आयोजित करते हैं, जिससे खरीदारी के साथ संवाद का माहौल भी बनता है।

सैलून और वेलनेस सेंटर भी उत्सव में शामिल

महिला दिवस के आसपास ब्यूटी सैलून और वेलनेस स्टूडियो में भी अपॉइंटमेंट्स की संख्या बढ़ जाती है। कई जगह विशेष ग्रूमिंग पैकेज और रिलैक्सेशन थेरेपी के कॉम्बो तैयार किए जाते हैं, ताकि लोग खुद के लिए थोड़ा समय निकाल सकें। फिटनेस सेंटर इस अवसर पर थीम आधारित क्लासेस आयोजित करते हैं, वहीं वेलनेस कोच संतुलित जीवनशैली और माइंडफुल लिविंग पर छोटे-छोटे वर्कशॉप भी रखते हैं।

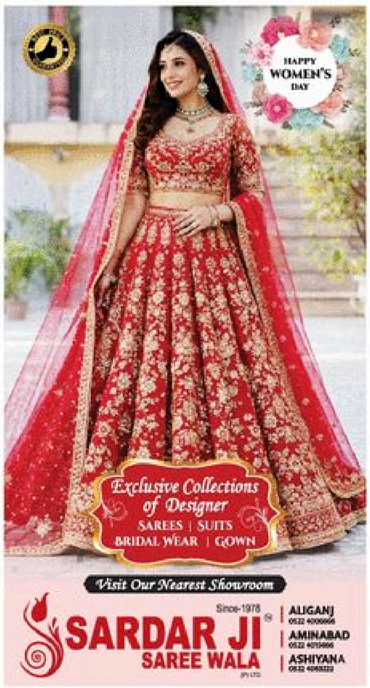

PIC: ISTOCK

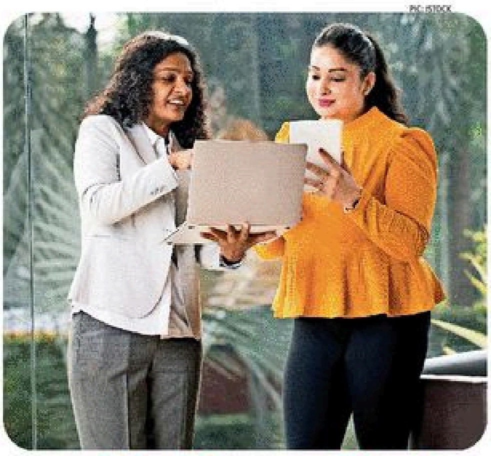

आर्थिक विकास की धुरी बनती आज की महिलाएं

लचीले उद्यम मॉडल, डिजिटल प्लेटफॉर्म और बढ़ते सहयोगी नेटवर्क ने निश्चित रूप से महिलाओं को अपने व्यवसाय का विस्तार करने में सहायता दी है। इस वजह से वे आर्थिक आत्मनिर्भरता को साकार करने में सफल रही हैं

Neha.Arora6
@timesofindia.com

देश के बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक महिलाएं तेजी से उद्यमिता की ओर कदम बढ़ा रही हैं। वे रिटेल फ्रैंचाइजी ले रही हैं, क्लाउड किचन शुरू कर रही हैं, स्टार्ट-अप स्थापित कर रही हैं और कोचिंग सेंटर व प्रशिक्षण कार्यशालाएं चला रही हैं। इसके साथ ही वे न केवल लचीले कार्य-मॉडल की नई परिभाषा गढ़ रही हैं, बल्कि महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता को लेकर समाज की सोच को भी बदल रही हैं।

फ्रैंचाइजी के जरिए सशक्तिकरण

पारंपरिक नौ से पांच की नौकरी के विपरीत, ये उद्यम महिलाओं को स्वायत्तता और लचीलापन प्रदान करते हैं। खासकर उन महिलाओं के लिए यह बेहद अहम है, जो अपने पेशेवर सपनों के साथ घरेलू जिम्मेदारियों को भी निभाती हैं।

उद्यमी अपर्णा गुप्ता कहती हैं, "फ्रैंचाइजिंग महिलाओं के लिए एक व्यावहारिक रास्ता बनकर उभरी है। स्थापित ब्रांड की पहचान, संचालन सहयोग और प्रशिक्षण जैसे तत्व शुरुआत से जुड़े जोखिमों को कम कर देते हैं। पहली पीढ़ी की उद्यमियों के लिए यह मॉडल भरोसा और आत्मविश्वास दोनों देता है। फैशन, ब्यूटी, किराना और वेलनेस जैसे क्षेत्रों में महिलाएं स्थानीय व्यापार की महत्वपूर्ण ताकत बनती जा रही हैं।"

क्लाउड किचनः नए अवसरों की रसोई

क्लाउड किचन भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। बिना डाइन-इन सेवा के, केवल डिलीवरी पर आधारित ये फूड बिजनेस महिलाओं को अपनी पाक-कला को आय के स्रोत में बदलने का मौका देते हैं।

होममेकर राधिका खरे कहती हैं, "महामारी के दौरान क्लाउड किचन शुरू करना एक छोटा कदम था, लेकिन डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की मदद से मैं पूरे शहर तक पहुंच पाई। आज मैं घर से ही बढ़ता हुआ कारोबार चला रही हूं, कर्मचारियों को रोजगार दे रही हूं और परिवार की जिम्मेदारियों के साथ उद्यमिता निभाने पर गर्व महसूस करती हूं।"

स्टार्ट-अप में बढ़ती भागीदारी

स्टार्ट-अप इकोसिस्टम में भी महिला संस्थापकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हालांकि तकनीक आधारित स्टार्ट-अप अक्सर सुर्खियों में रहते हैं, लेकिन बड़ी संख्या में महिलाएं रिटेल सेवाओं, एडटेक, हेल्थ व वेलनेस और सस्टेनेबिलिटी जैसे क्षेत्रों में इनोवेशन कर रही हैं।

डिजिटल टूल्स, ऑनलाइन मार्केटप्लेस और सोशल मीडिया मार्केटिंग ने प्रतिस्पर्धा का मैदान अधिक समान बना दिया है, जिससे महिलाएं सीमित पूंजी में भी अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा पा रही हैं।

शिक्षा और प्रशिक्षण में नई पहल

महिलाओं द्वारा संचालित कोचिंग सेंटर और प्रशिक्षण कार्यशालाओं का विस्तार भी उल्लेखनीय है। अकादमिक ट्यूशन, भाषा प्रशिक्षण, डिजिटल मार्केटिंग और व्यावसायिक कौशल जैसे क्षेत्रों में महिलाएं अपनी विशेषज्ञता के साथ नए अवसर बना रही हैं। खासतौर पर टियर-2 और टियर-3 शहरों में महिला शिक्षिकाएं अपने मोहल्लों में भरोसेमंद संस्थान खड़े कर रही हैं। छात्रों को मार्गदर्शन देने और युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ-साथ वे स्थानीय स्तर पर मानव संसाधन को भी मजबूत बना रही हैं।

चुनौतियों के बावजूद आगे बढ़ने का संकल्प

हालांकि यह यात्रा आसान नहीं है। उद्यमी आरती सेठ कहती हैं, "अपना छोटा व्यवसाय शुरू करना उत्साहजनक होने के साथ चुनौतीपूर्ण भी रहा है। एक महिला उद्यमी के रूप में वित्त तक पहुंच हमेशा आसान नहीं होती। बैंक अक्सर अतिरिक्त गारंटी मांगते हैं और कभी-कभी लोग यह भी संदेह करते हैं कि महिलाएं परिवार की जिम्मेदारियों के साथ व्यवसाय संभाल पाएंगी या नहीं। डिजिटल टूल्स और ऑनलाइन मार्केटिंग सीखने में भी समय लगा, लेकिन मैं इसे सीखने का अवसर मानती हूं।"

वे आगे कहती हैं, "मैं धीरे-धीरे अपने डिजिटल कौशल को बेहतर बना रही हूं, अन्य महिला उद्यमियों से जुड़ रही हूं और मेंटरशिप कार्यक्रमों व स्वयं सहायता समूहों से मार्गदर्शन ले रही हूं। परिवार और समुदाय का सहयोग भी मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। मेरा लक्ष्य अपने व्यवसाय का विस्तार करना, अपने इलाके में रोजगार के अवसर पैदा करना और यह साबित करना है कि महिलाएं सफलतापूर्वक उद्यम और परिवार दोनों को संभाल सकती हैं।" इसमें कोई दो राय नहीं है कि लगातार प्रयास, प्रशिक्षण और वित्तीय सहयोग की बेहतर उपलब्धता से भविष्य में और महिलाएं इस ओर तेजी से कदम बढ़ाएंगी।

आर्थिक पहलुओं से आगे बढ़कर यहां एक मजबूत प्रतीकात्मक बदलाव भी दिखाई दे रहा है। किसी महिला द्वारा संचालित हर फ्रैंचाइजी स्टोर, सफलतापूर्वक चल रहा हर क्लाउड किचन और छात्रों से भरी हर कोचिंग क्लास नए अवसरों के विस्तार का संकेत देती है। ये पहलें इस पुरानी सोच को चुनौती देती हैं कि व्यवसाय का नेतृत्व कौन कर सकता है। साथ ही, ये नई पीढ़ी को भी प्रेरित करती हैं कि वे उद्यमिता को एक संभव और हासिल किए जा सकने वाले रास्ते के रूप में देखें।

AI GENERATED IMAGES

CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 08-03-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMPG5 User: abhishek.singh2@timesofindia.c Time: 03-07-2026 16:34 Color:

CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 08-03-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMBP User: cci Time: 03-07-2026 20:17 Color:

करण औजला के मुंबई कॉन्सर्ट में फ्री एंट्री

करण औजला के मुंबई कॉन्सर्ट में खराब व्यवस्था को लेकर उनकी काफी आलोचना हुई थी। अब उन्होंने अप्रैल में मुंबई 2.0 कॉन्सर्ट की घोषणा कर सबको चौंका दिया है। वहीं करण ने घोषणा की है कि पिछले कॉन्सर्ट में जिन लोगों ने टिकट खरीदी थी, उनकी अप्रैल वाले कॉन्सर्ट में एंट्री फ्री होगी।

पार्टियों में टैलंट की कदर नहीं होती है: सिद्धांत चतुर्वेदी

ऐक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी ने हाल ही में अपने करियर के शुरुआती सफर और भाषा को लेकर हुए भेदभाव पर बात की।

एक साक्षात्कार में सिद्धांत ने कहा, 'जब मैंने अपना सफर शुरू किया था, तब बहुत कुछ समझ में नहीं आता था। क्या पहनना है, कहां जाना है, कौन-से ब्रांड के कपड़े या जूते पहनने से अच्छा माना जाएगा। मेरी पर्सनल स्टाइलिंग कभी भी ब्रांड-आधारित नहीं रही। स्कूल के दिनों में मुझे इस बात पर काफी चिढ़ाया गया कि मैं महंगी घड़ियां या जूते नहीं पहनता लेकिन मेरे माता-पिता ने मुझे बहुत सही परवरिश दी। उन्होंने कहा कि ब्रैंड से तुम्हारी पहचान नहीं बनेगी, तुम्हारा काम तुम्हारी पहचान बनेगा। जिस दिन तुम कुछ बन जाओगे, तुम खुद एक ब्रांड बन जाओगे।'

उन्होंने आगे कहा, 'इंडस्ट्री में आने के बाद मैंने भी जैसा देश, वैसा भेष के चक्कर में बहुत कुछ आजमाया लेकिन फिर महसूस हुआ कि मैं खुद को खो रहा हूं। बस भीड़ में घुलने की कोशिश कर रहा हूं, वैलिडेशन ढूंढ रहा हूं। पार्टियों में पहुंच तो गया लेकिन सबसे बड़ा दुख यह था कि वहां टैलेंट की कदर नहीं होती। वहां लोग इस बात पर मिलते हैं कि आप क्या पहन रहे हैं, कहां से आए हैं और किस लहजे में बात कर रहे हैं। शुद्ध हिंदी बोलने पर लोग ऐसे देखते हैं, जैसे कुछ समझ ही नहीं पा रहे हों। फिर मैंने खुद को वापस खींचा और कहा मैं सिद्धांत चतुर्वेदी हूं, बलिया से हूं और वही रहूंगा। यह पूरी एक यात्रा रही है। एक बार एक बेहद प्रतिभाशाली युवा अभिनेता के बारे में चर्चा हो रही थी। एजेंसी ने कहा कि उसमें स्टार फैक्टर नहीं है। जब पूछा गया क्यों, तो जवाब मिला- अंग्रेजी और प्रेजेंटेशन की कमी है।'

> माता-पिता ने कहा था कि ब्रैंड से तुम्हारी पहचान नहीं बनेगी, तुम्हारा काम तुम्हारी पहचान बनेगा। जिस दिन तुम कुछ बन जाओगे, तुम खुद एक ब्रांड बन जाओगे।

बेटे के आने के बाद सब अच्छा हो रहा है: विनीत

Upma.Singh@timesofindia.com

बनारस से बॉलिवुड में किस्मत आजमाने पहुंचे ऐक्टर विनीत कुमार सिंह को एक लंबा संघर्ष देखना पड़ा, लेकिन अब आखिरकार उनकी प्रतिभा की कद्र होने लगी है। बीते साल उन्हें छावा, सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव और जैसी फिल्मों और वेब सीरीज रंगीन में उम्दा अदाकारी के लिए खूब सराहा गया। वहीं, इस साल की शुरुआत में भी वह वेब सीरीज हैलो बच्चों में चर्चित फिजिक्स टीचर अलख पांडे की लीड भूमिका में नजर आने वाले हैं। विनीत इस अच्छे वक्त का श्रेय अपने सात महीने के बेटे को भी देते हैं।

बच्चा अच्छा भाग्य लेकर आया है

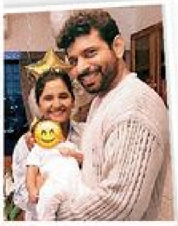

पिछले साल पिता बनने के सुख का अनुभव करने वाले विनीत कहते हैं, 'मेरे बेटे का जन्म 24 जुलाई को हुआ और 25 जुलाई को मेरा शो (रंगीन) रिलीज हुआ तो कमाल ही है। पिछले साल मेरी 8 फिल्में/सीरीज रिलीज थीं तो मैंने सुना था कि बच्चे भाग्य लेकर आते हैं, अब खुद अनुभव कर रहा हूं। प्रभु करें ऐसा ही चलता रहे। बाकी, अच्छा लगता है। हालांकि, हाल ही में मुझे शॉक लगा, क्योंकि मैं राजस्थान में शूट कर रहा था। जब गया था तो दाढ़ी थी, आया तो दाढ़ी नहीं है और वह मेरी गोद में ही नहीं आ रहा था। तब मैंने अपनी आवाज से उसे खुद को पहचनवाने की कोशिश की।'

पैदा होते ही शिक्षा का साथ हो गया था

विनीत की सीरीज हैलो बच्चों शिक्षा पर आधारित है। खुद ग्रेजुएशन टॉपर और डॉक्टरी की पढ़ाई करने वाले विनीत ने शिक्षा की अहमियत कब समझी? इस पर वह कहते हैं, "जब धरती पर आया, तभी समझ गया था, क्योंकि मेरे पिता जी ने जब मुझे अपनी गोद में लिया तो मैं एक गणितज्ञ की गोद में था। चूंकि गणित और फिजिक्स का खास नाता है, तो मुझे लगता है कि यह शो मेरे नसीब में तभी लिख दिया गया था। हालांकि, मुझे बनना हमेशा से ऐक्टर था। 13-14 साल की उम्र में ही मैं समझ गया था कि ऐक्टिंग मुझसे कुदरती होती है। मैं रास्ता खोज रहा था पर मैं जिस जगह, जिस परिवार से हूं, वहां से इधर कोई रास्ता आ ही नहीं रहा था। इसलिए मैंने पढ़ाई की।'

डॉक्टर सुनकर लोग सोचते, लड़का भटक गया

एक वक्त था, जब विनीत कुमार सिंह का डॉक्टर होना ऐक्टिंग की राह में रोड़ा भी बना। इंडस्ट्री वालों को लगता था ये पढ़ा-लिखा आदमी कहां ऐक्टिंग में आ रहा है। इसलिए वह अपनी डॉक्टरी की बात छिपाने भी लगे थे। इस बारे में वह बताते हैं, 'असल में जब मैं इस शहर में आया था, तब किसी को जानता नहीं था। एक भी इंसान ऐसा नहीं था, जो फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहा हो, जिसे मैं जानता था। जब कोई पूछता था कि क्या किया है और मैं उन्हें बताता था कि मेडिकल कॉलेज में हूं, पढ़ रहा हूं, तो उन्हें हैरत होती कि डॉक्टर हो? मेडिकल कॉलेज में हो? फिर कोई काम की बात नहीं होती थी। उनको लगता था कि लड़का भटक गया है। उसे सही रास्ते पर भेज दो तो मैंने यह बताना ही बंद किया कि मैं मेडिकल कॉलेज में हूं।'

टीचर पर दो सीरीज अच्छी बात

मशहूर फिजिक्स टीचर अलख पांडे और उनकी कोचिंग फिजिक्स वाला पर पहले भी एक सीरीज बन चुकी है। ऐसे में, उस पर दूसरी सीरीज को लेकर विनीत का कहना है, 'यह बड़ी अच्छी बात है कि एक टीचर के ऊपर दो तरीके से हम कुछ बना रहे हैं और उसे लोगों तक पहुंचा रहे हैं। इसके लिए, मेकर्स को सराहना चाहिए, क्योंकि हमने बहुत सारी लव स्टोरी देखी है। अंडरवर्ल्ड की कहानियां देखी हैं। बहुत सारे कॉप की कहानियां देखी हैं लेकिन टीचर जो राष्ट्र का भविष्य तय करता है, जो बुनियाद बनाता है, उस पर कितनी कहानियां बनती हैं। यह बहुत खुशी की बात है कि एक टीचर के ऊपर दो कहानियां बनी हैं।'

OTT ने सबको खूब काम दिया

विनीत बड़े पर्दे और ओटीटी पर समान रूप से सक्रिय हैं। क्या उन्हें लगता है कि ओटीटी की लोकप्रियता से थिएटर में दर्शकों की संख्या घटी है? इस पर उन्होंने कहा, 'देखिए, ऊपर नीचे होता रहता है। जो कहते हैं न, 'उत्थान पतन के झूले पर संसार झुलाया जाता है।' ग्राफ तभी बनता है और उसी से हम सीखते हैं। कुछ नया अडॉप्ट करते हैं, नया खोजते हैं, यही जिंदगी है। बेशक मैंने पहली बार फिल्म बड़े पर्दे पर देखी थी। उसका अपना एक इश्क है और वो रहेगा, पर ओटीटी की बात करूं तो फिल्म इंडस्ट्री के मेरे बहुत सारे दोस्त, जिसमें ऐक्टर, डायरेक्टर, डीओपी, राइटर हर विभाग के टेक्निशियन हैं, जो अच्छे थे, मगर पहले कई महीने खाली रहते थे, आज ओटीटी की वजह से सब इतने व्यस्त हैं कि उनके पास डेट नहीं है और यह सुनकर बहुत अच्छा लगता है।'

जॉन अब्राहम के साथ नजर आएंगे हर्षवर्धन राणे

जॉन अब्राहम स्टारर ऐक्शन फिल्म फोर्स के तीसरे पार्ट की शूटिंग शुरू हो गई है। दरअसल, हर्षवर्धन राणे ने फिल्म की ऑफिशियली घोषणा कर दी है। फिल्म में जॉन अब्राहम ACP यशवर्धन के रोल में नजर आएंगे तो वहीं उनके साथ हर्षवर्धन राणे और तान्या मानिकतला भी अहम भूमिकाओं में होंगे। हर्षवर्धन राणे ने सोशल मीडिया पर फिल्म के पारंपरिक मुहूर्त पूजा सेरेमनी का एक वीडियो पोस्ट किया है। इसके साथ में उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'Force 3 हमारे साथ रहें'। इस दौरान तान्या मानिकतला भी पीछे हाथ जोड़कर खड़ी नजर आ रही हैं।

इससे पहले, ऐक्टर ने फिल्म के लिए जॉन के साथ जुड़ने की घोषणा करएक पोस्ट शेयर किया था। महाराष्ट्र के एक मंदिर में खींची गई तस्वीर शेयर कर ऐक्टर ने लिखा, 'इस समय मैं बस जॉन सर नाम के फरिश्ते जैसे आदमी को धन्यवाद दे सकता हूं, जबकि मैं ऊपर देखता हूं और जो भी वहां से यह कर रहा है, उसे धन्यवाद देता हूं।

आज मैं जो भी हूं, थियेटर की वजह से ही हूं: पीयूष मिश्रा

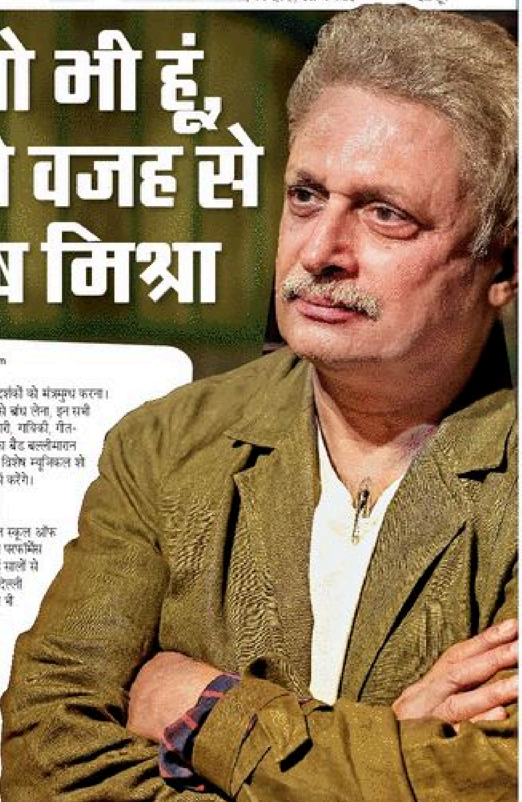

Upma.Singh@timesofindia.com

पर्दे पर अलग-अलग किरदारों में डूब जाना हो या नाट्य मंच पर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करना। फिल्मों के लिए लेखन हो या लाखों श्रोताओं को अपनी गायिकी से बांध लेना, इन सभी कलाओं को एक साथ साधने वाली हस्ती हैं पीयूष मिश्रा। अदाकारी, गायिकी, गीत-डायलॉग लेखन जैसी बहुआयामी प्रतिभा के मालिक पीयूष मिश्रा और उनका बैंड बल्लीमारान टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप के सौजन्य से 14 मार्च को टीएमसी ग्राउंड जाणे में विशेष म्यूजिकल शो आरंभ 2.0 लेकर आ रहे हैं। इससे पहले वे 7 मार्च को वे दिल्ली में परफार्म करेंगे।

इसलिए बैंड का नाम रखा था बल्लीमारान

पीयूष मिश्रा 80 के दशक में दिल्ली थिएटर के स्टार हुआ करते थे। नैशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने मंच पर हेमलेट नाटक में ऐसी गजब की परफॉर्मेंस दी कि देखने वाले अब तक याद करते हैं। यही वजह है कि पीयूष अब कई सालों से भले दिल्ली छोड़कर मुंबई की मायानगरी में मशगूल और मशहूर हैं, मगर दिल्ली उनके दिल में अब भी धड़कती है। यहां तक कि उन्होंने अपने बैंड का नाम भी बल्लीमारान दिल्ली स्थित गालिब का मोहल्ले पर रखा। अपने बैंड का नाम बल्लीमारान रखने की वजह पूछने पर वह कहते हैं, 'असल में मैं अपने हर काम में दिल्ली को याद रखना चाहता हूं, क्योंकि मैं आज जो कुछ भी हूं, दिल्ली में बिताए दिनों की वजह से ही हूं। इसलिए मैंने अपने बैंड का नाम बल्लीमारान रखा।' उस वक्त की यादें ताजा करते हुए वह बताते हैं, 'दिल्ली मेरे लिए मंडी हाउस था। वही शहर का थिएटर और कल्चरल सेंटर था। एनएसडी भी वहीं था। मैं हर परफॉर्मेंस देखता था। तीन साल मैंने सिर्फ नाटक देखे। वो फकीरी के दिन थे, मगर फिर भी सारी चीजों के लिए पैसे पता नहीं कहां से आ जाते थे। दिल्ली में नाटक देखने के लिए पैसे की जरूरत नहीं पड़ती थी। वहीं, आईटीओ पर पराठे मिलते थे और हनुमान मंदिर पर एक मशहूर दाल थी, उससे बहुत सस्ते में पेट भर जाता था। वह बहुत जबरदस्त वाला दौर था। फिर 1990 से एक्ट वन के लिए जो नाटक शुरू किया, वो 1995 तक बहुत ही उन्मादी दौर था। मैंने जो कुछ एनएसडी में सीखा था, वो एक्ट वन में इंवेस्ट कर दिया। ऐक्टर तो मैं एक्ट वन की वजह से बना हूं। आज जो कुछ हूं थियेटर की वजह से ही हूं।'

परफॉर्मेंस के लिए गाना चुनने में होती है मुश्किल

पीयूष मिश्रा अपने बैंड बल्लीमारान के बारे में बताते हैं, 'बैंड बनाने का आइडिया मेरे गिटारिस्ट निशांत अग्रवाल का था। वह मुझे चंडीगढ़ में मिले थे और कहा कि आप ये गाने दोस्तों के बीच महफिलों में गाते फिरते हैं, आप बैंड क्यों नहीं बनाते? निशांत ने दिल्ली तक मेरा पीछा किया। फिर एक दिन मुंबई में मेरे घर पहुंच गए। फिर, निशांत, मैंने और मेरे पर्कशनिस्ट जयंत पटनायक, हम तीन लोगों ने यह बैंड बनाया। दिसंबर 2016 में गुड़गांव में हमने पहली परफॉर्मेंस दी। वहां से बढ़ते-बढ़ते आज यह 14 लोगों का बहुत बड़ा बैंड बन चुका है। गाने भी इतने ज्यादा हो गए हैं कि हमें हटाना पड़ता है कि इस वाले शो में ये गाने नहीं गाएंगे, ये गाएंगे। वहीं, आरंभ 2.0 में पूरा फील नया है। नए गाने हैं, नया म्यूजिक है, नए इंस्ट्रूमेंट हैं, नए प्रयोग हैं, नया नजरिया है।

मूवी रिव्यू कॉर्नर

हीरोइज़्म से दिल जीत लेता है ये 'सूबेदार'

Rekha.Khan@timesofindia.com

फिल्म-सूबेदार (16+)
रेटिंग ★★½☆☆
निर्देशक: सुरेश त्रिवेणी
कलाकार: अनिल कपूर, राधिका मदान, आदित्य रावल, सौरभ शुक्ला, फैजल मलिक
स्ट्रीमिंग साइट: अमेजॉन प्राइम
अवधि: 2 घंटे 25 मिनट
जॉनर: एक्शन-ड्रामा

अस्सी-नब्बे के दशक में बॉलिवुड में अन्याय और भ्रष्ट सिस्टम के खिलाफ और गरीबों के हक में लड़ने वाला, एक साथ दस-बीस गुंडों को ढेर करने वाला एंग्री यंग मैन नायक खूब पॉपुलर था। निर्देशक सुरेश त्रिवेणी की सूबेदार उसी तेवर की फिल्म है। फर्क सिर्फ इतना है कि यहां सूबेदार के रूप में एक एंग्री ओल्ड मैन है और अनिल कपूर ने अपने स्वैग, आक्रोश और हीरोइज्म से इसे यादगार बनाया है।

कहानी रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर अर्जुन मौर्य (अनिल कपूर) की है, जो आर्मी से लौटकर एमपी के एक कस्बे में अपनी बिखरी जिंदगी संभालने की कोशिशों में है। उसकी बेटी श्यामा (राधिका मदान) अपनी मां (खुशबू) की मौत के सदमे से उबर नहीं पाई है। अर्जुन को दोस्त प्रभाकर (सौरभ शुक्ला) के जरिए स्थानीय दबंगों सोमती (फैसल मलिक) और प्रिंस (आदित्य रावल) के यहां बॉडीगार्ड की नौकरी मिलती है, जो रेत माफिया से जुड़े हैं। इस अवैध नेटवर्क की असली सरगना बबली दीदी (मोना सिंह) है, जो जेल से ही सब कुछ नियंत्रित करती है। मगर फिर कहानी में एक ऐसा मोड़ आता है कि अर्जुन रेत माफिया के खिलाफ जंग छेड़ देता है।

सुरेश त्रिवेणी ने फिल्म में मेनस्ट्रीम सिनेमा के सभी मसालों का इस्तेमाल किया है, पर उन्हें अलग अंदाज में पेश करने की कोशिश की है। समस्या इसकी वन-लाइनर कहानी की है, जिसे ढाई घंटे तक चलाया गया है। नायक अपने निजी अपमान और संघर्ष के लिए लड़ता है, मगर वह एक सशक्त लोकनायक के रूप में उभर नहीं पाता। हालांकि पिता-पुत्री के रिश्ते को निर्देशक ने संवेदनशीलता और बारीकी से दिखाया है। फिल्म का फर्स्ट हाफ काफी तेज और प्रभावी है, लेकिन सेकंड हाफ में कहानी थोड़ी बिखर जाती है, खासकर जब श्यामा का ट्रैक मुख्य कथा से जुड़ता है। फिर भी दो गुटों के बीच की टकराहट तनाव बनाए रखती है। छोटे कस्बे की धूल-धक्कड़ और अव्यवस्था को विश्वसनीय ढंग से फिल्माया गया है। अजय सक्सेना की सिनेमेटोग्राफी, खासकर टॉप एंगल शॉट्स, प्रभावशाली है। 'लल्ला' और 'बलम सूबेदार' जैसे गीत फिल्म के मिजाज को बनाए रखते हैं, जबकि बैकग्राउंड स्कोर तनाव को बरकरार रखता है। क्लाइमैक्स थोड़ा और ड्रैमेटिक हो सकता था। कलाकारों का अभिनय फिल्म के लिए तारणहार का काम करता है। अनिल कपूर नायाब साबित होते हैं। उनका गुस्सा, फुर्ती और फिर दुश्मन को चित करने वाला अंदाज शानदार है। खलनायक प्रिंस की भूमिका में आदित्य रावल खूब जंचे हैं। राधिका मदान ने हमेशा की तरह शानदार काम किया है। दीदी के रूप में मोना सिंह के किरदार को और विकसित किया जाना चाहिए था। हालांकि उन्होंने अपने चरित्र के साथ पूरा न्याय किया है। सौरभ शुक्ला और फैसल मलिक अपने रोल में उत्तम हुए हैं। खुशबू अपनी भूमिका से ताजगी लाती हैं। मानव कौल को अहम सॉन्ग में ज्यादा कुछ करने का मौका नहीं मिला। हालांकि नाना पाटेकर की एंट्री सरप्राइज जरूर करती है।

क्यों देखें
अनिल कपूर की उम्दा ऐक्टिंग और मसाला फिल्मों के शौकीन ही देखें।

बच्चों के बहाने बड़ी-बड़ी बातें बताती 'बूंग'

Rekha.Khan@timesofindia.com

फिल्म-बूंग
रेटिंग ★★★★☆
निर्देशक: शांतिप्रिया देवी
कलाकार: गुगुन किपजेन, बाला हिजाम, अंगोम सनामाचा, विक्रम कोचर, जेनी खुरई, हामोम सदानंद आदि।
अवधि: 1 घंटा 34 मिनट
जॉनर: चिल्ड्रन फिल्म

निर्देशक शांतिप्रिया देवी की फिल्म बूंग को बाफ्टा में बेस्ट चिल्ड्रंस एंड फैमिली फिल्म का सम्मान मिला, लेकिन यह महज बच्चों या मां-बेटे की कहानी नहीं है। इसके भीतर राजनीतिक अस्थिरता, नस्लीय तनाव, अलगाववादी आंदोलन, बॉलिवुड फिल्मों पर प्रतिबंध, 'आउटसाइडर' का सवाल, सिंगल मदर की चुनौतियां, पुरुष सत्तात्मक सोच और विस्थापन जैसी कई परतें मौजूद हैं। खास बात यह है कि ये सारे मुद्दे किसी भाषणबाजी के बिना, एक सच्ची और सरल कहानी के साथ परत दर परत खुलते जाते हैं, और तमाम विषमताओं के बावजूद फिल्म अपनी मासूमियत और संवेदनशीलता बनाए रखती है।

मणिपुर के इंफाल में रहने वाला नटखट लेकिन संवेदनशील लड़का बूंग उर्फ बृजेंद्रो अपनी सिंगल मदर मंदाकिनी के साथ रहता है। उसके पिता एल जॉय कुमार सालों पहले काम के बहाने घर छोड़कर चले गए थे और फिर कभी लौटे नहीं। जब उनकी मौत की खबर आती है, तो मंदाकिनी इसे मानने से इनकार कर देती है और बूंग को यकीन दिलाती है कि वे जिंदा हैं। बूंग ठान लेता है कि वह पिता को ढूंढकर घर वापस लाएगा। अपने दोस्त राजू के साथ वह एक कंफिन वैन में छिपकर म्यांमार की ओर निकल पड़ता है, एक मासूम लेकिन साहसिक तलाश पर।

निर्देशक शांतिप्रिया देवी की यह फिल्म पानी में बहते उस पत्ते की तरह है, जो एक साथ भीगा भी लगता है और सूखा भी। बड़े मुद्दों को कहने के लिए ये नाटकीयता का सहारा नहीं लेती, बल्कि बच्चों की मासूम नजर से कहानी कहती है। ऊपर से यह एक छोटे कस्बे की कहानी लगती है, लेकिन एक बच्चे की तलाश के जरिए उत्तर-पूर्वी सीमावर्ती जीवन की बड़ी तस्वीर सामने आती है। किरदार इतने सहज हैं कि यहां हीरो-विलेन का फर्क मिट जाता है। बूंग और उसका "बाहर वाला" दोस्त राजू की नोकझोंक और अपनापन दोस्ती की खूबसूरत मिसाल बनते हैं। अंतिम संस्कार के बीच सज-धजकर पहुंची मंदाकिनी का थोपे गए वैधव्य को ठुकराना पितृसत्ता को चुनौती देता है और स्त्री सशक्तिकरण का प्रभावी दृश्य बनता है। बूंग का अपने पिता की सच्चाई जानना दिल तोड़ देता है, मगर फिल्म याद दिलाती है कि जीवन हमेशा मनमाफिक नहीं होता। कड़वी सच्चाइयां भी जीने का नया साहस देती हैं। यही वजह है कि उदासी के बावजूद फिल्म बोझिल नहीं होती। मडोना का गीत 'Like a Virgin' दिलकश ढंग से जुड़ता है, वहीं छायाकार तनय सातम मणिपुर के सौंदर्य और जटिल माहौल को संवेदनशीलता से कैद करते हैं।

अभिनय की बात करें, तो बूंग का केंद्रीय किरदार गुगुन किपजेन ने बेहद स्वाभाविक ढंग से निभाया है। उनका नटखटपन, चंचलता और मार्मिक भाव फिल्म का आकर्षण है। शांत मगर मजबूत इरादों वाली सिंगल मदर मंदाकिनी को बाला हिजाम ने खूबसूरती से जिया है। राजू और जुलियाना जैसे दोस्तों के रूप में अंगोम सनामाचा और नेमेतिया प्रभावी हैं। 'बाहर वाले' के रूप में विक्रम कोचर यादगार रहे हैं। सिंगर जेजे के छोटे से रोल में जेनी खुरई प्रभावित करती हैं।

क्यों देखें
इस फिल्म को मिस न करने का एक भी कारण नहीं है। मस्ट वॉच मूवी है बूंग।

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in